

50 एकड़ भूमि पर बना सकेंगे बिल्ड ओन आपरेटिंग माडल पर प्लेडज पार्क, एक प्रतिशत व्याज दर पर मिलेगा ऋण किसान की भूमि पर बनेगा प्लेडज पार्क, बसेगा औद्योगिक कारीडोर

जागरण संघाददाता, सिद्धार्थनगर : जनपद के किसान अपने खेत में प्लेडज पार्क बनाएंगे। भूमि स्वामी किसान यहां पर उद्यमी को लीज पर औद्योगिक प्लाट देंगे। यह बिल्ड ओन आपरेटिंग माडल पर बनाया जाएगा। शासन की ओर से किसान को प्लेडज पार्क विकसित करने के लिए एक प्रतिशत व्याज दर पर 10 लाख से एक करोड़ का ऋण उपलब्ध कराएगी।

किसान को औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने में जिलाधिकारी के नेतृत्व में गठित समिति सहयोग प्रदान करेगी। वहीं सिद्धार्थनगर से गुजरने वाले गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस वे पर इंडस्ट्रियल कारीडोर बनने की

किसान का सहयोग करेंगे जिला स्तरीय समिति के यह अधिकारी	पद
नामित अधिकारी	पद
जिलाधिकारी	अध्यक्ष
मुख्य विकास अधिकारी	सदस्य
संबंधित तहसील के प्रस्तीएम	सदस्य
मुख्य कौषधिकारी	सदस्य
अधिशासी अभियंता पीडल्डी	सदस्य
अधिशासी अभियंता ऊर्जा	सदस्य
उपायुक्त उद्योग	सदस्य सचिव



सिद्धार्थनगर में प्लेडज पार्क बनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। शासन के निर्देश पर जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। प्लेडज पार्क बनाने के इच्छुक किसान के समक्ष 30 रही समस्या का कमेटी समाधान करेगी। तोड़े द्वारा मिश्र, मुख्यमंत्री उद्यमी मिश्र इवेस्ट यूपी

जनपद में हुए एमओयू में निवेश करेंगे उद्यमी

कुल एमओयू	245
कुल निवेश की धनराशि	966 करोड़
प्रस्तावित मानव रोजगार सृजन	6928
यूनिट जो हो गई हैं शुरू	47
ग्राउंड ब्रैकिंग सेरेमनी यूनिट	116
ग्राउंड ब्रैकिंग सेरेमनी यूनिट का निवेश	503 करोड़
ग्राउंड ब्रैकिंग सेरेमनी यूनिट में मानव रोजगार सृजन	3510

कवायद शुरू हो गई है। शासन स्तर पर इसका ढीपीआर तैयार हो रहा है। किसान अब अपने खेत में औद्योगिक क्षेत्र विकसित कर सकेंगे। शासन ने इसकी कार्ययोजना तैयार की है।

किसान अपनी भूमि लीज पर देकर औद्योगिक क्षेत्र बना सकते हैं। इसके लिए किसान के पास लीज पर देने के लिए 10 से 50 एकड़ भूमि होनी चाहिए।

प्रशासन के सहयोग से किसान को कार्य को पूरा करेंगे। इसमें आंतरिक कम व्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। ऋण के धन से किसान अपने औद्योगिक क्षेत्र में आंतरिक विकास

कार्य को पूरा करेंगे। इसमें आंतरिक मार्ग पर पक्की रोड, चहारदीवारी, जलनिकासी के लिए नाला, शौचालय निर्माण के साथ पेयजल की व्यवस्था करेंगे।